एमटेक की कापियों का ऑनलाइन मूल्यांकन

पहल

- एमटेक की कापियों का ऑनलाइन होगा मूल्यांकन
- आगे स्नातक स्तरीय कोर्सेज की कापियों का भी होगा ऑनलाइन मूल्यांकन

जागरण संवाददाता, लखनऊ : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) में परीक्षा की कापियों का ऑनलाइन मूल्यांकन शुरू हो गया है। एमटेक की विषम सेमेस्टर की कापियां ऑनलाइन जांची जाएंगी। परास्नातक (पीजी) में यह व्यवस्था अभी लागू हो गई है। अब आगे स्नातक (यूजी) स्तरीय कोर्सेज में भी इसे लागू कर दिया जाएगा।

यही नहीं परीक्षा की कापियां ऑनलाइन होने से इन्हें आगे विद्यार्थियों को दिखाने व दावा मूल्यांकन आदि करवाने में भी दिक्कत नहीं होगी। एकेटीयू को विद्यार्थियों की कापियों का डाटा एक क्लिक पर उपलब्ध हो जाएगा। एकेटीयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के निर्देश पर परीक्षा की कापियों को ऑनलाइन जांचने की व्यवस्था की गई है। एमटेक के विषम सेमेस्टर की सभी कापियों को ऑनलाइन जांचा जाएगा। इससे मूल्यांकन में पारदर्शिता होगी और विद्यार्थियों को आसानी से उनकी कापियां दिखाई जा सकेंगी। एकेटीयू प्रशासन ने विद्यार्थियों के हित में यह फूलप्रूफ व्यवस्था की है। अभी कापियों के मूल्यांकन को लेकर विद्यार्थी तरह-तरह के सवाल खड़े करते हैं, जबकि एकेटीयू प्रशासन का दावा है कि कापियां पूरी सावधानी से जांची जाती है और कोशिश होती है कि गड़बड़ी न हो। मगर अब ऑनलाइन मूल्यांकन होने से इस तरह की छिटपुट शिकायतें भी सामने नहीं आएंगी। ऑनलाइन मूल्यांकन की व्यवस्था बेहतर ढंग से लागू होने के बाद आगे परीक्षा की कापियां भी ऑनलाइन करवाने की तैयारी की जा रही है।

दाखिले में खेल करने वाले कॉलेजों की होगी जांच

- एकेटीयू करीब 125 एमबीए कोर्स चलाने वाले कॉलेजों को भेज चुका है नोटिस
- बीटेक में भी 29 कॉलेज निशाने पर, अब कॉलेजों का टॉस्क फोर्स गठित कर होगा भौतिक सत्यापन

जागरण संवाददाता, लखनऊ : इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट कॉलेजों में दाखिले के नाम पर हुए खेल की विस्तृत जांच होगी। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) ने अभी 125 एमबीए कोर्स चलाने वाले कॉलेजों को नोटिस जारी किया है और बीटेक में करीब 29 इंजीनियरिंग कॉलेज ऐसे पाए गए हैं जहां पर प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा में भारी संख्या में विद्यार्थी अनुपस्थित पाए गए हैं। इन्हें भी नोटिस जारी होगा। फिलहाल समाजकल्याण विभाग की स्कॉलरशिप को हड़पने के लिए इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट कॉलेजों द्वारा यह खेल करने पर संदेह जताया जा रहा है।

अब इन कॉलेजों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। फिलहाल अब विशेषज्ञों की टॉस्क फोर्स गठित कर ऐसे कॉलेजों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। एकेटीयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के निर्देश पर इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट कॉलेजों से प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा में उपस्थिति का ब्यौरा मंगवाया गया और इसका मिलान कॉलेजों में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या से किया गया। इसमें भारी अंतर होने पर संदेह यह जताया जा रहा है कि समाजकल्याण विभाग की छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति की रकम को हड़पने के लिए यह खेल किया गया होगा। अब इन कॉलेजों का भौतिक निरीक्षण कर देखा जाएगा कि कौन-कौन सी अनियमितताएं और हैं। नोटिस का जवाब मिलने के बाद एकेटीयू प्रशासन यह कवायद शुरू करने की तैयारी कर रहा है। फिलहाल नोटिस पाने वाले कॉलेजों में सन्नाटा पसरा हुआ है। एकेटीयू गड़बड़ी को उजागर करने के लिए कठोर से कठोर कदम उठाने की तैयारी में जुटा हुआ है।